Topic 1 :– वित्त वर्ष 2023–24 में खनन क्षेत्र में रिकॉर्ड उत्पादन दर्ज

2024 में फरवरी के महीने में खनिज उत्पादन का सूचकांक 139.6 रहा , जो पिछले वर्ष फरवरी 2023 की तुलना में 8.0 प्रतिशत अधिक है।

उत्पादन के मामले में भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एल्युमीनियम उत्पादक, तीसरा सबसे बड़ा चूना पत्थर उत्पादक और चौथा सबसे बड़ा लौह अयस्क उत्पादक है।

फरवरी 2024 की अविधि में सकारात्मक वृद्धि दिखाने वाले कुछ गैर-ईंधन खनिज इस प्रकार हैं - हीरा, बॉक्साइट, क्रोमाइट, तांबा , सोना, जस्ता , मैंगनीज, फॉस्फोराइट, ग्रेफाइट (आर.ओ.एम.), चूना पत्थर, मैग्नेसाइट, आदि। अगर मूल्य के आधार पर देखें तो, कुल खनिज उत्पादन में लौह अयस्क और चूना पत्थर की सम्मिलित हिस्सेदारी 80 प्रतिशत के लगभग है।

खनन मंत्रालय द्वारा दिए आकड़ो के अनुसार वित्त वर्ष 2024 की अवधि में देश अंदर इन प्रमुख खनिजों के उत्पादन में उच्च वृद्धि देखी गयी ।

वित्त वर्ष 2023 में अप्रैल से फरवरी 2024 की 11 महीने की अवधि के लिए लौह अयस्क का उत्पादन 230 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) था, जो वित्त वर्ष 24 की समान अवधि के दौरान 9.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 252 एमएमटी हो गया है।

चूना पत्थर :–
वित्त वर्ष 2023 के दौरान अप्रैल-फरवरी की 11 महीने की अवधि के लिए चूना पत्थर का उत्पादन 366 एमएमटी से बढ़कर वित्त वर्ष 24 की इसी अवधि के लिए 11.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 407 एमएमटी हो गया है

अलौह धातु :–
प्राथमिक एल्युमीनियम धातु का उत्पादन वित्त वर्ष 2023 के दौरान अप्रैल-फरवरी की 11 महीने की अवधि के लिए 37.11 लाख टन (एलटी) रहा था, जो बढ़कर वित्त वर्ष 24 की इसी अवधि के दौरान 2.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 38.02 एलटी हो गया है।

Topic 2 :– त्रिपुरा के दो उत्पादों को GI टैग

Result Mitra

त्रिपुरा के दो उत्पादों GI टैग प्रदान किया गया। ये उत्पाद है माताबारी पेरा प्रसाद और रिगनई पचरा कपड़ा ।

माताबारी पेरा प्रसाद :– यह प्रसाद त्रिपुरेश्वरी मंदिर में परोसा से संबंधित है। यह मंदिर त्रिपुरा के प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है प्रसाद को बनाने के लिए दूध और चीनी को प्रयोग किया जाता है यह प्रसाद अपने अलग टेस्ट और गहरी सांस्कृतिक परंपराओं के लिए अधिक लोकप्रिय है।

किस प्रसाद की इतनी लोकप्रियता है जिसके कारण यहां के स्थानीय लोगों को रोजगार प्रदान किया जा रहा है पेड़े की बढ़ती मांग की वजह से स्थानीय लोगों ने इसको दुनियाभर में मार्केटिंग शुरू की है।

रिगनई पचरा :– यह कपड़े का त्रिपुरा में अधिक सांस्कृतिक महत्व है यह एक पारंपरिक कपड़ा होता है जिसको हाथ से बुनकर बनाया जाता है। इस कपड़े को बनाने के लिए आधुनिक मशीनों का प्रयोग ना करके पारंपरिक उपकरणों से ही बनाया जाता है कारीगर स्वदेशी तकनीकों की मदद से बहुत बारीकी से इसे बनाते हैं।

Topic 3 :– ताइवान में 7.5 तीव्रता का भूकंप

ताइवान में 7.5 तीव्रता का भूकंप आया जिससे जान और माल दोनो की हानी देखने को मिली तथा आस पास के देश भी प्रभावित हुए । इसके झटके जापान और फिलीपींस जैसे पड़ोसी देशों में भी महसूस किए गए।
ताइवान के मौसम विभाग के अनुसार :– भूकंप ईस्ट ताइवान के हुलिएन शहर में आया।

भूकंप का केंद्र धरती से 34 किलोमीटर नीचे बताया गया । मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ताइवान में 100 से ज्यादा आफ्टरशॉक महसूस किए गए । ताइवानी सेंट्रल वेदर ब्यूरो के अनुसार , इतना तीव्र भूकंप ताइवान में 25 साल आया

भूकंप है। 1999 में 7.6 तीव्रता का भूकंप आया था जो इससे अधिक तीव्र था । उस समय 2 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी।

भूकंप के कारण जापान-फिलीपींस ने सुनामी का अलर्ट
भूकंप के बाद ताइवान, जापान और फिलीपींस ने अपने अपने देश में सुनामी का अलर्ट जारी किय। जिसमे जापान के मौसम विभाग ने समुद्र में 3 मीटर (10 फीट) तक की लहरें उठने की चेतावनी जारी की ।

इससे पहले जापान में साल के पहले ही दिन 7.6 तीव्रता का भूकंप आया था । 1 जनवरी 2024 को आए 7.6 तीव्रता के भूकंप के कारण सुनामी भी आ गई थी। जिससे वाजिमा शहर में करीब 4 फीट ऊंची (1.2 मीटर) लहरें उठी थीं।

इस क्षेत्र में इतने भूकंप क्यों आते है :–

यह पूरा क्षेत्र रिंग ऑफ फायर के अंतर्गत आता है जापान भूकंप के लिए सेंसिटिव है। जापान में अधिक भूकंप आने का मुख्य कारण इसकी अवस्थिति है । क्योंकि जापान दो टेक्टोनिक प्लेटों के जंक्शन के नजदीक स्थित है।

क्या है रिंग ऑफ फायर क्षेत्र :–

यह ऐसा क्षेत्र है जहां कॉन्टिनेंटल प्लेट्स और ओशियनिक टेक्टॉनिक प्लेट्स एक साथ मौजूद हैं।
ये प्लेट्स जब भी आपस में टकराती हैं तो भूकंप आता है।

क्यों आता है भूकंप?

भूगर्भ वैज्ञानिकों के के अनुसार , भूकंप आने का मुख्य कारण टेक्टोनिकल प्लेटों में तेज हलचल होती है इसी के साथ कई और कारण होते है जिससे भूकंप आते है इन कारणों में प्राकृतिक और मानवीय दोनों कारक उत्तरदाई है। जैसे उल्का प्रभाव , ज्वालामुखी विस्फोट, माइन टेस्टिंग , न्यूक्लियर टेस्टिंग , डेम का निर्माण, विकाश की योजनाएं से भी भूकंप आते हैं।

भूकंप की तीव्रता को रिक्टर स्केल पर मापा जाता है। इस स्केल पर 2.0 या 3.0 की तीव्रता का भूकंप हल्का होता है, जबकि 6 या इससे अधिक की तीव्रता का मतलब शक्तिशाली भूकंप होता है। भूकंप के कारण ही यहां सुनामी आती है और वोल्केनो के फटते की घटना भी होती हैं। दुनिया में आने वाले 90% भूकंप इस रिंग ऑफ फायर क्षेत्र में ही आते हैं। यह क्षेत्र का विस्तारित क्षेत्रफल 40 हजार किलोमीटर है।

दुनिया के 75% सक्रिय ज्वालामुखी इसी क्षेत्र में स्थित हैं।

रिंग ऑफ फायर की जद में आने वाले 15 देश- जापान, रूस, फिलीपींस, इंडोनेशिया, मैक्सिको, ग्वाटेमाला, न्यूजीलैंड, अंटार्कटिका, कनाडा, अमेरिका, कोस्टा रिका, पेरू, इक्वाडोर, चिली, बोलिविया हैं।

Result Mitra

दुनिया और आने वाले भूकंप :–

प्रत्येक वर्ष दुनिया में तकरीबन 20 हजार भूकंप आते हैं लेकिन सभी भुकंप समान तीव्रता के नहीं होते ना ही समान विनाशकारी होते है। नेशनल अर्थक्विक इंफॉर्मेशन सेंटर के द्वारा प्रत्येक वर्ष लगभग 20,000 भूकंप रिकॉर्ड किए जाते है। 20,000 भूकंपो में से 100 भूकंप ऐसे होते हैं जिनसे नुकसान अधिक होता है। भूकंप कुछ सेकेंड से ले कर कुछ मिनट तक रह सकते है।

अब तक आए भूकंपों के इतिहास में सबसे ज्यादा देर तक रहने वाला भूकंप 2004 में हिंद महासागर में आया था। यह भूकंप 10 मिनट तक रहा था।

Topic 4 :– चीन ने किए अरुणाचल प्रदेश के 30 स्थानों के नाम में परिवर्तन

चीन के द्वारा हाल ही में अरुणाचल प्रदेश के कई स्थानों के नाम में परिवर्तन किया गया। चीन अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा मानता है जिसके लिए वह तर्क देता है कि अरुणाचल प्रदेश दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा है इसी के अनुसार वह इस पर दवा भी करता है

भारत और चीन के बीच में अभी तक औपचारिक रूप से सीमांकन नहीं किया गया है फिर भी वास्तविक नियंत्रण रेखा LLAC) दोनों देशों के बीच में सीमा का विभाजन करती है। किंतु इस LAC से संबंधित भी दोनों देशों के बीच में एक मत नहीं है भारत जहां LAC की लंबाई 3488 किमी बताता है वही चीन इस लाइन की लंबाई 2000 किलोमीटर बताता है

LAC को तीन अलग अलग भाग में बांटा गया :–

बेस्टर्न सेक्टर (लद्दाख का हिस्सा):
यहां भारत जॉनसन लाइन को सीमा मानता है जिसका निर्धारण 1865 में किया गया । तो चीन मैकडॉनल्ड रेखा को वास्तविक सीमा बताता है जिसका निर्धारण 1893 में किया गया ।

Result Mitra

मिडिल सेक्टर :– इसके अंतर्गत हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्य के भाग सामिल है । इस क्षेत्र में मामूली विवाद है।

• ईस्टर्न सेक्टर :– इसके अंतर्गत अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के भाग आते है :1। इस सेक्टर के अंतर्गत चीन अरुणाचल प्रदेश के ऊपर अपना दावा करता है और कहता है की अरुणाचल प्रदेश दक्षिणी तिब्बत का भाग है जिस पर भारत ने अवैध रूप से कब्जा करके रखा है।

अरुणाचल प्रदेश और चीन के मध्य सीमा का निर्धारण मैकमोहन लाइन के द्वारा किया जाता है इस कक्षेत में LAC 1914 के शिमला सम्मेलन के दौरान निर्धारित की गई मैकमोहन रेखा। इस लाइन को एक सम्मेलन में निर्धारित किया गया था जिसका आयोजन 1914 में शिमला में लिया गया और इसे हम शिमला सम्मेलन के नाम से जानते हैं ।

इस सम्मेलन में :– चीन, ब्रिटिश भारत और तिब्बत शामिल थे। चीन में जब 1949 में कम्युनिस्ट सरकार आती है तो इसने 1949 से पहले किए गए सभी अंतर्राष्ट्रीय समजौतो को भेदभावपूर्ण बताते हुए उन्हें अस्वीकार कर दिया।

Result Mitra